Newsletter
NAV BHARAT JAGRITI KENDRA
NBJK
सूचनापत्र
नव भारत जागृति केन्द्र
50 YEARS
1971-2021
January-March 2022 www.nbjk.org जनवरी-मार्च 2022

LNJP Eye Hospital, Gaya: Impact Testified

LokNayak JayPrakash Eye Hospital, Gaya has been founded by NBJK with support of Mission for Vision & Wen Giving Foundation as the 3rd unit of LNJPEH after Hazaribagh and Dumka. The eye hospital is located at Kajha near Gaya, became operational since 18 January 2020 and covers a massive population of about 7 lakh people from Gaya, Nawada, Jehanabad districts of Bihar. This 40 bedded secondary eye hospital is equipped with all modern facilities and performed well with 25901 OPD and 5192 cataract surgeries (4169 free) within about a year.

Mission for Vision has assessed the functioning of LNJPEH Gaya in two phases i.e. Oct'20-March'21 and April-Sep'21. This sample exercise considered about quality of visual outcomes post-cataract surgery, change in quality of life, satisfaction level of patients regarding services, compliance to post operative self care practices, camp-base hospital facility etc. Here we place average of the data derived from both phases of assessment like 91.5% operated patients attended their 6 months post-operative review, 80% review patients were prescribed glasses while 52% were using spectacles. About Post-operative ocular complaints after six months of surgery, a significant improvement identified as watering from 10% to 4%, itching from 5% to 1%, pain 4% to 1%, hazy vision & redness 0-0% from first to second phase. Likewise pre-operative visual acuity of patients was as 71% in the poor category and 29% in the border category but after cataract surgery, 60% found with very good, 27.5% with good, 9.5% with borderline and 3% with poor visual acuity.

77.5% have self-rated as very well after surgery than before and joined their activities without any trouble. 79% could resume economic activities, 80.5% became free from mobility problem and 86.5% accepted psycho-social uplifting. 88% respondents said very well about the information shared by the hospital team, 83.5% said they approached this hospital because of its free services and 80% have confirmed that they have fully understood the printed information.

40.5% were extremely satisfied and 55.5% satisfied with the bed and bedding facilities provided during their stay at the hospital. Related to their toilet facilities, 48% found extremely satisfied and 50.5% as satisfied. 28% were extremely satisfied and 69% shown their satisfaction with the quality of food served during their stay at the hospital. Regarding timing of food, 29.5% and 62% have consented as extremely and simply satisfied respectively.

Related to the patients counseling on the information given regarding the Discharge kit, 25.5% were extremely satisfied while 72% satisfied. Upon information provided regarding usage of medicines, 24.5% were extremely satisfied and 68.5% as satisfied. For providing information regarding cleaning of eyes, 23% extremely and 70% simply satisfied, while with counseling process by the hospital, 24.5% have expressed extreme satisfaction, 68.5% with normal satisfaction and 9.5% have tried to ask some extra questions. 100% of respondents said they were seated comfortably at their return journey from camp to hospital. For camp assessment, the report observes about early awareness campaign, presence of optometrist/ vision technician, camp organizer/ coordinator, counselor, health worker/ medico-social worker, driver, display of banner & guide signboard, well known & spacious ground floor venue, transportation etc. The respondents' basic profile related to their heterogeneous group size, gender, age, marital status, education level, left or right eye operation says that among the total sample of 136 patients, 72% were male, and 28% were female. It was found people within the age bracket of 50 to 64 years were the maximum 59% who reported the base hospital for cataract surgeries. Importantly, it was observed that 53% of patients' right eyes operated on during this assessment period. It also found that 58% of operated patients were illiterate, 18% had primary schooling, and 23% had secondary schooling. It was a door to door survey.

एलएनजेपी आँख अस्पताल, गया : असरदार तीमारदारी

लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, गया की स्थापना नव भारत जागृति केंद्र द्वारा मिशन फॉर विज़न और वेन गिविंग फाउंडेशन के सहयोग से हुई है, जो हजारीबाग और दुमका के बाद एलएनजेपी आँख अस्पताल की तीसरी इकाई है. गया के निकट काझा में अवस्थित यह आँख अस्पताल 18 जनवरी 2020 से कार्यरत है और बिहार के गया, नवादा, जहानाबाद जिलों की लगभग 7 लाख आबादी को आच्छादित करता है. यह 40 बिस्तरों का एक सहायक आँख अस्पताल है, जिसमें समस्त आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं और लगभग एक वर्ष के अंदर 25901 ओपीडी के साथ 5192 मोतियाबिंद सर्जरी (4169 निःशुल्क) के साथ इसने अच्छा प्रदर्शन किया है.

मिशन फॉर विज़न की ओर से दो चरणों यथा अक्टूबर'20–मार्च'21 और अप्रैल–सितंबर'21 के दौरान एलएनजेपी आँख अस्पताल, गया के कार्यों का मूल्यांकन किया गया. इस नमूना सर्वेक्षण में मरीज के मोतियाबिंद ऑपरेशन पश्चात दृष्टि संबंधी परिणाम की गुणवत्ता, जीवन स्तर में बदलाव, प्राप्त सेवा के मद्देनजर संतुष्टि स्तर, ऑपरेशन के बाद खुद की देखभाल संबंधी निर्देशों का अनुपालन, शिविर–मुख्य अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं आदि पर गौर किया गया था.

यहाँ हम दोनों चरणों के मूल्यांकन से प्राप्त आंकड़ों का औसत उल्लिखित करते हैं, जैसे ऑपरेशन हुए मरीजों में 91.5% ने ऑपरेशन के छह माह बाद होने वाले पुनरीक्षण में भाग लिया, 80% पुनरीक्षित मरीजों को चश्मा निर्देशित किया गया लेकिन उसका इस्तेमाल सिर्फ 52% कर रहे थे. सर्जरी के छह माह बाद मरीजों की नेत्र संबंधी समस्याओं के संबंध में मूल्यांकन से ज्ञात हुआ कि पहले चरण की अपेक्षा दूसरे चरण में अधिक सुधार हुआ है, जैसे आँखों से पानी आना 10% से 4%, आँखों में खुजली होना 5% से 1%, आँखों में दर्द 4% से 1% को और धुंधली दृष्टि–लालिमा तो दोनों चरणों के मूल्यांकन में 0% मरीजों में पाया गया. इसी प्रकार नेत्र रोगियों में जब ऑपरेशन पूर्व दृष्टि तीक्ष्णता की जाँच हुई तो 71% दुर्बल और 29% सीमांत श्रेणियों में पाये गए लेकिन मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 60% रोगियों की दृष्टि तीक्ष्णता बहुत अच्छी, 27.5% की अच्छी, 9.5% की सीमारेखा पर और 3% की दुर्बल पायी गई. सर्जरी के बाद 77.5% मरीजों ने स्वयं को पहले से काफी बेहतर महसूस किया और बिना किसी समस्या के अपनी दैनिक गतिविधियों में शामिल हो गये. 79% तो पूर्व की भांति आर्थिक गतिविधियों से संलग्न हुए, 80.5% को घूमने–फिरने में होने वाली समस्या से मुक्ति मिली और 86.5% मरीजों ने मानसिक–सामाजिक बेहतरी की बात स्वीकार किया. 88% उत्तरदाताओं ने अस्पताल टीम द्वारा साझा की गयी सूचनाओं को बहुत अच्छा माना, 80% ने मुद्रित सूचनाओं को पूरी तरह समझने की पुष्टि किया और 83.5% ने कहा कि निःशुल्क उपलब्ध सेवाओं की वजह से उन्होंने इस अस्पताल से संपर्क किया था. अस्पताल में रहने के दौरान बिस्तर और संबंधित सुविधाओं के विषय में पूछने पर 40.5% रोगियों ने अतिशय संतुष्टि और 55.5% ने संतुष्टि की बात मानी. शौचालय सुविधाओं पर 48% अतिशय संतुष्ट और 50.5% संतुष्ट रोगी मिले. अस्पताल में मिले भोजन की गुणवत्ता के संबंध में 28% ने पूर्ण संतोष और 69% ने संतोष प्रकट किया. भोजन की समय सारणी पर 29.5% रोगियों ने संपूर्ण संतुष्टि और 62% ने संतुष्टि जाहिर किया. रोगियों हेतु डिस्चार्ज किट संबंधी सूचना पर मिले परामर्श को 25.5% रोगियों ने अतिशय संतोषप्रद बतलाया, जबकि 72% ने संतुष्टि जतलायी. दवाइयों के उपयोग संबंधी सूचना पर 24.5% ने पूर्ण संतुष्टि और 68.5% ने संतुष्टि व्यक्त किया. आँख सफाई संबंधी जानकारी को 23% ने अति संतोषप्रद और 70% ने संतोषप्रद कहा. अस्पताल की परामर्श प्रक्रिया पर 24.5% अतिशय संतुष्ट, 68.5% संतुष्ट और 9.5% कुछ अतिरिक्त प्रश्नों के साथ मिले. 100% उत्तरदाताओं ने शिविर से अस्पताल वापसी के सफर को आरामदेह बतलाया. मूल्यांकन में अस्पताल द्वारा आयोजित जाँच शिविरों के विषय में शिविर पूर्व जागरुकता अभियान के साथ ऑप्टोमेट्रिस्ट, शिविर आयोजक, परामर्शदाता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, चालक की उपस्थिति, बैनर–गाइड साइनबोर्ड प्रदर्शन, सुपरिचित बड़ी जगह पर भू तल में शिविर स्थल, सार्वजनिक परिवहन सुविधा की उपलब्धता आदि बिन्दुओं की भी चर्चा की गयी है.

उत्तरदाताओं के विजातीय समूह आकार, लिंग, आयु, वैवाहिक स्थिति, शैक्षणिक स्तर, बायीं अथवा दायीं आँख की सर्जरी संबंधी मूल प्रोफाइल के विषय में यह रिपोर्ट कहती है कि बतौर सैंपल 136 मरीजों को चुना गया, जिनमें 72% पुरुष और 28% महिलाएं थीं. 50–64 वर्ष आयु वर्ग के 59% रोगी थे, जिन्होंने मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु अस्पताल को सूचित किया था. 53% रोगियों की दायीं आँख की सर्जरी हुई थी. सर्जरी किये गये लोगों में 58% अनपढ़, 18% प्राथमिक शिक्षित और 23% मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त थे. यह सर्वेक्षण घर–घर घूमकर किया गया था.

Mission Rozgar Training Center- providing empolyment

January-March 2022, Giridih-Koderma-Hazaribagh: Under Young India project with support of UTI Mutual Fund, NBJK run Mission Rozgar Training Centers at Hazaribagh, Koderma and Giridih have ensured placement for total 202 youth trainees of first batch from January-March'22. At Hazaribagh, trade wise placement figures are like 19/32-Basic Computer Applications, 29/32-General Duty/Nursing Assistance, 09/32-Beautician Menhdi Bridal Makeup and 08/21-Tailoring Embroidery. For Koderma, it comes as 30/47-BCAs, 23/31-Accountancy & Tally, 13/13-GDA & 10/30-Beautician Bridal Makeup. The placement figures at Giridih are as 06/30-BCAs, 06/22-Accountancy & Tally, 37/44-GDA & 12/22-BBM. Various enterprises, showrooms, nursing homes, beauty parlors and Govt. projects have recruited these trained youths and placement process is still going on. Besides that, some trainees are gearing up for self-employment also. MRTCs run three months employable courses are well-designed with practical training for each student and enrollment for second batch has been started now. The program aims to train total 2160 youths of 18-35 years age group within the period of one & half year with employment or self-employment for at least 60% trainees.

मिशन रोजगार प्रशिक्षण केंद्रों से प्रशिक्षित युवा हुए नियोजित

जनवरी–मार्च 2022, गिरिडीह–कोडरमा–हजारीबागः यूटीआइ म्यूच्यूअल फंड के सहयोग से एनबीजेके द्वारा क्रियान्वित यंग इंडिया परियोजना अंतर्गत गिरिडीह, कोडरमा और हजारीबाग में चल रहे मिशन रोजगार प्रशिक्षण केंद्रों ने जनवरी–मार्च 2022 के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त पहले बैच के 202 युवा प्रशिक्षुओं हेतु नियोजन सुनिश्चित किया है. केंद्र और ट्रेड अनुसार नियोजन के आंकड़े इस प्रकार हैं दृ (प) हजारीबाग में बेसिक कंप्यूटर ऐप्लिकेशन्स (बीसीए) के 32 प्रशिक्षुओं में 19, जनरल ड्यूटी/नर्सिंग असिस्टेंस (जीडीए) के 32 में 29, ब्यूटिशियन– मेंहदी– ब्राइडल मेकअप (बीबीएम) के 32 में 9 और टेलरिंग एम्ब्रायडरी के 21 में 8 (पप) कोडरमा में बीसीए के 47 में 30, एकाउंटेंसी व टैली के 31 में 23, जीडीए के 13 में 13 और बीबीएम के 30 में 10 (पपप) गिरिडीह में बीसीए के 30 में 6, एकाउंटेंसी व टैली के 22 में 6, जीडीए के 44 में 37 और बीबीएम के 22 में 12. विभिन्न उद्यमों, शोरूम्स, नर्सिंग होम्स, ब्यूटी पार्लर्स, सरकारी परियोजनाओं में इन प्रशिक्षित युवाओं की बहाली हुई है और नियोजन प्रक्रिया अभी जारी है. प्रशिक्षण प्राप्त कुछ युवाओं ने स्वरोजगार से जुड़ने का भी मन बनाया है. मिशन रोजगार प्रशिक्षण केंद्रों में तीन महीनों की सीमित अवधि हेतु विशेष रूप से विकसित इन रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के तहत हर प्रशिक्षु को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है और दूसरे बैच का नामांकन शुरू हो चुका है. डेढ़ वर्ष की इस परियोजना के सौजन्य से 18–35 आयुवर्ग के कुल 2160 युवाओं को विभिन्न रोजगारपरक कौशलों में प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ 60% प्रशिक्षुओं को रोजगार अथवा स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा.

Sad Demise of Mr. Prabhu Nath Sharma

21 January 2022, Hazaribagh: A founder member & the treasurer of NBJK, Mr. Prabhu Nath Sharma suffered from cardiac arrest on 19th January evening and left for heavenly abode. In the condolence meeting observed at NBJK coordination office, people paid him rich tribute. Mr. Girija Satish (President, NBJK), Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK), Mr. Gandharv Gaurav (Program Director I), Mr. Anand Abhinav (PD II) including all staffs have garlanded his image and recalled him. Mr. Girija Satish remembered late P. N. Sharma since the year 1966 from BIT Sindri as a fellow student came together under influence of Gandhian ideology and devoted his life at NBJK to fulfill the commitment for social work. He was a responsible colleague who possessed many rare qualities, he stated. Mr. Satish Girija called late Sharma Jee a person dedicated for society and said that a large numbers of grieved people show us their feelings towards good deeds. Mr. Gandharv Gaurav depicted late P. N. Sharma as a simple, uncomplicated and honest personality while Mr. Anand Abinav has termed the tragedy as an irreparable loss for NBJK family. Also other staff have expressed their sorrow and remembered about late P. N. Sharma's work loyalty, frankness, discipline and ideological inclination towards Gandhi-Vinoba-JP. At all branch offices and units of LNJP eye hospital, NBJK staff have mourned and paid homage to their beloved Sharma Sir.

श्री प्रभु नाथ शर्मा का दुखद निधन, शोक सभा आयोजित

21 जनवरी 2022, हजारीबागः एनबीजेके के संस्थापक सदस्य और कोषाध्यक्ष श्री प्रभु नाथ शर्मा का 19 जनवरी की शाम दिल का दौरा पड़ने से स्वर्गवास हो गया. संस्था के संयोजन कार्यालय में 21 ता० को आयोजित शोक सभा के दौरान लोगों ने उन्हें अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया. श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके), श्री सतीश गिरिजा (सचिव, एनबीजेके), श्री गंधर्व गौरव (कार्यक्रम निदेशक), श्री आनंद अभिनव (कार्य० नि०) समेत सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने स्व० पीएन शर्मा की तस्वीर पर माल्यार्पण करने के बाद उन्हें याद किया. श्री गिरिजा सतीश ने कहा कि बतौर सहपाठी बीआइटी सिंदरी में वर्ष 1966 से हम लोग साथ हुए, हम कुछ साथी गांधी विचार से काफी प्रभावित थे और सामाजिक कार्यों के प्रति गहरी निष्ठा के फलस्वरूप स्व० शर्मा जी ने अपना जीवन एनबीजेके में समर्पित कर दिया. वह अनेक दुर्लभ गुणों से युक्त एक जिम्मेदार सहकर्मी थे, श्री गिरिजा सतीश ने बतलाया. श्री सतीश गिरिजा ने स्वर्गीय प्रभु नाथ शर्मा को समाज हेतु समर्पित व्यक्ति की संज्ञा देते हुए कहा कि उनके देहांत से दुखी लोगों की बड़ी संख्या अच्छे कार्यों के प्रति हमारी भावना दर्शाती है. श्री गंधर्व गौरव ने स्व० शर्मा जी के सहज, सरल और ईमानदार व्यक्तित्व की सराहना किया जबकि श्री आनंद अभिनव ने उनके निधन को एनबीजेके परिवार हेतु एक अपूरणीय क्षति कहा. अन्य कार्यकर्ताओं ने भी स्व० पीएन शर्मा जी के आकस्मिक देहांत पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए उनकी कार्यनिष्ठा, स्पष्टवादिता, अनुशासन और गांधी–विनोबा–जेपी विचारों के प्रति अटूट विश्वास को अनुकरणीय माना. एनबीजेके के सभी शाखा कार्यालयों और संस्था संचालित एलएनजेपी आँख अस्पताल इकाइयों में शोक सभाएं आयोजित कर स्व० प्रभु नाथ शर्मा जी को श्रद्धांजलि दी गयी.

LNJP Eye Hospital, Hazaribagh Launches Retina Surgery Unit

12 February 2022, Bahera (Chauparan, Hazaribagh): NBJK run LNJP Eye Hospital launched a new facility for Retina Surgery. As the chief guest, Mr. Jayant Sinha (Hon. MP, Hazaribagh) participated in the launching ceremony while Mr. Sanjay Arora (MD, D'decor) graced the event online as a distinguished guest. Both of them jointly inaugurated Retina Surgery Unit of LNJPEH equipped with Vitrectomy machine and dedicated this to the people. Hon. MP praised Mr. Arora and said that D'decor has provided financial support to the eye hospital for this very useful apparatus. They have assured for all possible support to LNJPEH. Before this Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) welcomed all and valued the help from Hon. MP & the MD of D'decor. This enables us to serve more people suffering from Retina problems, he mentioned with gratitude. It's noteworthy that earlier such eye patients had no choice but to go to big cities for their treatment. Now they can get the same locally at less cost or even no cost if someone is absolutely helpless or possesses Ayushman Card. Also Mr. Girija Satish (President, NBJK), Mr. Gandharv Gaurav, Mr. Anand Abhinav, doctors and hospital staffs along with many eminent citizens were present in the event.

एलएनजेपी आँख अस्पताल, हजारीबाग में रेटिना सर्जरी यूनिट की शुरुआत

12 फरवरी 2022, बहेरा (चौपारण, हजारीबाग): एनबीजेके संचालित लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल में रेटिना सर्जरी की नयी सुविधा का शुभारंभ हुआ है. इस आयोजन के मुख्य अतिथि श्री जयंत सिन्हा (माननीय सांसद, हजारीबाग) थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री संजय अरोड़ा (प्रबंध निदेशक, डी'डेकॉर) ने ऑनलाइन शिरकत किया. इन महानुभावों ने एलएनजेपीइएच में विट्रेक्टोमी मशीन से युक्त रेटिना सर्जरी यूनिट का उद्घाटन करते हुए उसका लोकार्पण किया. माननीय सांसद ने श्री अरोड़ा की सराहना करते हुए कहा कि इस नयी इकाई संचालन में अनिवार्य उपकरण खरीद हेतु डी'डेकॉर की ओर से आँख अस्पताल को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया गया है. दोनों ने अस्पताल को भविष्य में भी हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया. इसके पूर्व एनबीजेके सचिव श्री सतीश गिरिजा ने समस्त आगंतुकों का स्वागत करते हुए माननीय सांसद और डी'डेकॉर कंपनी के प्रबंध निदेशक को उनके सहयोग हेतु हार्दिक धन्यवाद दिया. उन्होंने कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि आँख अस्पताल में यह नयी सुविधा उपलब्ध होने से हम रेटिना समस्याओं से ग्रसित नेत्र रोगियों को भी सेवा देने में समर्थ होंगे. ध्यातव्य है कि पहले ऐसे रोगियों के पास बड़े–बड़े शहरों में जाकर इलाज करवाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था. अब उन्हें स्थानीय स्तर पर कम खर्च में और बिल्कुल असहाय अथवा आयुष्मान कार्डधारी मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी. इस अवसर पर श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके), श्री गंधर्व गौरव, श्री आनंद अभिनव, चिकित्सकगण, अस्पतालकर्मियों और सम्मानित नागरिकों की उपस्थिति रही.

SBI Foundation Supports NBJK for SBI Sanjeevani – Clinic on Wheels

21 February 2022, Patna: State Bank of India DMD & CDO Mr. Om Prakash Mishra offered a symbolic cheque worth Rs. 73,76,418 to Mr. Satish Girija (Secretary-NBJK) for mobile clinic van under **SBI Sanjeevani – Clinic on Wheels** project by SBI Foundation, the CSR wing of SBI. Mr. Mishra appreciated NBJK as an active grassroots NGO engaged with community welfare for past 50 years. He said that providing financial support is not as difficult as embodying direct public service. Describing utility of the Van, he said that it would provide primary, preventive, curative and referral health services at people's doorstep in remote rural areas of BodhGaya. Also Mr. Mrigank Jain (GM, SBI-Patna Circle), Mr. Manoj Kumar Gupta and other senior officers of SBI were present on the occasion. The Mobile Clinic Van provided to NBJK will be equipped with state-of-the-art diagnostic facilities like portable microscope, ECG, gastro fiberscope, autoclave, stretcher, laboratory facility and other necessary diagnostic accessories. The unit will be accompanied by a medical team consisting of a doctor, lab technician, pharmacist and health assistant-cum-driver. Mr. Satish Girija expressed sincere gratitude towards SBI Foundation and the officers those supported the endeavor. He said that the very project of **SBI Sanjeevani – Clinic on Wheels** will benefit about 20,000 people across 22 identified Gram Panchayats every month in BodhGaya block of Gaya district in Bihar.

एसबीआइ संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स हेतु एनबीजेके को एसबीआइ फाउंडेशन की मदद

21 फरवरी 2022, पटना: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के डीएमडी–सह–सीडीओ श्री ओम प्रकाश मिश्रा ने बैंक के सीएसआर प्रभाग एसबीआइ फाउंडेशन समर्थित **एसबीआइ संजीवनी–क्लिनिक ऑन व्हील्स** परियोजना अंतर्गत मोबाइल क्लिनिक वैन हेतु एनबीजेके सचिव श्री सतीश गिरिजा को रु० 73,76,418 मूल्य का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया. श्री मिश्रा ने बतौर एक सक्रिय जमीनी संस्था एनबीजेके की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पिछले 50 वर्षों से सामुदायिक कल्याण कार्यों में जुटी हुई है. उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता उपलब्ध करा देना उतना कठिन नहीं है जितना कि प्रत्यक्ष जन सेवा को मूर्त रूप देना. मोबाइल क्लिनिक वैन की विशेषताओं की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि यह बोधगया के दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में लोगों के घर पर प्राथमिक, निरोधात्मक, उपचारात्मक और रेफरल स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करेगा. इस मौके पर श्री मृगांक जैन (जीएम, एसबीआइ–पटना सर्किल), श्री मनोज कुमार गुप्ता और एसबीआइ के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीगण उपस्थित थे. एनबीजेके को मिलने वाले इस मोबाइल क्लिनिक वैन में अनेक आधुनिकतम नैदानिक सुविधाओं यथा–पोर्टेबल माइक्रोस्कोप, इसीजी, गैस्ट्रो फाइबरस्कोप, ऑटोक्लेव, स्ट्रेचर, प्रयोगशाला एवं अन्य आवश्यक उपकरणों की सुलभता होगी. इस मोबाइल स्वास्थ्य सुविधा इकाई से जुड़ी मेडिकल टीम में डॉक्टर, लैब तकनीशियन, फार्मासिस्ट और स्वास्थ्य सहायक–सह–चालक मौजूद रहेंगे. श्री सतीश गिरिजा ने संस्था के इस प्रयास में सहयोग करने हेतु एसबीआइ फाउंडेशन और अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि **एसबीआइ संजीवनी–क्लिनिक ऑन व्हील्स** परियोजना से बिहार के गया जिला अंतर्गत बोधगया प्रखंड के 22 चिह्नित ग्राम पंचायतों में हर महीने लगभग 20 हजार लोगों तक जरूरी स्वास्थ्य सुविधा पहुँच सकेगी.

Parents-Teacher Meetings at Remedial Coaching Centers

18-27 February 2022, Hazaribagh: Under Action Village India supported Girls' Education program by NBJK, Parents-Teacher meetings held at Remedial Coaching Centers for Girl Children. These RCCs are running at 17 villages of 3 blocks where more than 600 girl students of class 8, 9 & 10 get free of cost extra tuition for their school subjects like Science, Maths and English. At each center during these meetings, the parents have asked about academic progress of their wards and the teacher presented individual report of students before them. There were discussions about the objective of girls' education, better functioning of RCCs and prevention of child marriage. Also the parents came to know about other activities by NBJK towards integrated rural development. Mr. Ateesh Pingua (Program Manager) and Mr. Abhay Kumar (Program Coordinator) have facilitated these meetings.

रिमीडयल कोचिंग केंद्रों में अभिभावक–शिक्षक बैठकें

18–27 फरवरी 2022, हजारीबाग: एक्शन विलेज इंडिया के सहयोग से एनबीजेके क्रियान्वित बालिका शिक्षा कार्यक्रम अंतर्गत स्कूली बच्चियों हेतु संचालित रिमीडयल कोचिंग केंद्रों में अभिभावक–शिक्षक बैठकों का आयोजन किया गया. ये कोचिंग केंद्र 3 प्रखंडों के 17 गाँवों में कार्यरत हैं, जहाँ कक्षा 8, 9, 10 की 600 से अधिक बालिकाओं को विज्ञान, गणित, अंग्रेजी जैसे स्कूली विषयों की अतिरिक्त और निःशुल्क शिक्षण सुविधा मिलती है. प्रत्येक रिमीडयल कोचिंग केंद्र पर आयोजित इन बैठकों के दौरान अभिभावकों ने छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति संबंधी जानकारी लिया और शिक्षकों ने हर बालिका की व्यक्तिगत रिपोर्ट से उसके अभिभावक को अवगत कराया. इसके अलावा वहाँ बालिका शिक्षा के उद्देश्यों, कोचिंग केंद्रों की बेहतर कार्यप्रणाली, बाल विवाह से बचाव जैसे बिन्दुओं पर चर्चा हुई. अभिभावकों को समेकित ग्रामीण विकास की दिशा में एनबीजेके की अन्य गतिविधियों से भी परिचित कराया गया. बैठकों में श्री अतीश पिंगुआ (कार्यक्रम प्रबंधक) और श्री अभय कुमार (कार्यक्रम संयोजक) उपस्थित थे.

Honour to Mr. Girija Satish for his Works towards Women Empowerment

06 March 2022, Ranchi: Under the joint auspices of Ranchi Press Club-Vishwa Yuvak Kendra-Yuva Manthan Sansthan-Live Foundation, Women Empowerment Award has been conferred to Mr. Girija Satish (President, NBJK) at Ranchi Press Club. He was one among the 17 men awardees from Jharkhand those contributed to women empowerment in the state. As the chief guest of this ceremony, Mr. Rameshwar Oraon (Hon. Finance Minister, Jharkhand) handed over the memento to Mr. Girija Satish and others. Mr. Sanjay Mishra (President, Ranchi Press Club), Mr. Sudhir Pal (Yuva Manthan Sansthan), Ms. Chhandoshri Thakur (Live Foundation), Dr. Bharti, Ms Shalini, Dr. Kiran, Ms Babita and others were present on the occasion.

महिला सशक्तिकरण पर कार्य हेतु श्री गिरिजा सतीश को सम्मान

06 मार्च 2022, रांची: रांची प्रेस क्लब, विश्व युवक केंद्र, युवा मंथन संस्थान और लिव फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एनबीजेके अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश को महिला सशक्तिकरण सम्मान प्रदान किया गया. रांची प्रेस क्लब में हुए समारोह में झारखंड सरकार के माननीय वित्त मंत्री श्री रामेश्वर ओरांव के हाथों उन्होंने स्मृति चिह्न प्राप्त किया. श्री गिरिजा सतीश के साथ विभिन्न कार्यक्षेत्रों में सक्रिय अन्य 17 पुरुषों को भी यह सम्मान मिला, जिन्होंने झारखंड में महिला सशक्तिकरण हेतु उल्लेखनीय योगदान दिया है. इस अवसर पर श्री संजय मिश्रा (अध्यक्ष, रांची प्रेस क्लब), श्री सुधीर पाल (युवा मंथन संस्थान), श्रीमती छंदोश्री ठाकुर (लिव फाउंडेशन), डॉ० भारती, सुश्री शालिनी, डॉ० किरण, सुश्री बबिता एवं अन्य की उपस्थिति थी.

Activities to Promote CSOs & their Beneficiaries

15-28 March 2022, Hazaribagh: Under the program of Capacitating Social Activists … with support of BFW, NBJK has organized training and workshops to promote CSOs as well as their beneficiaries. On 15-16 March, two days training on Accountancy held for chief functionaries & accountants of partner CSOs those hold FCRA certificate. Mr. Puran Jha and Mrs. Sujata Samal from CPA Services Pvt. Ltd. have imparted details about financial management-governance-review & legal compliances to participants. During 21-23 March, a workshop upon Agriculture Work Experience with Farmers took place and Mr. Girija Satish (President, NBJK) appealed to treat agriculture like any other business and to focus upon allied activities to make it profitable. From 23 to 25 March, Entrepreneurship Sharing workshop was organized and NBJK president said about impracticality of socio-economic development without participation of women. He urged the participants linked with different IGAs for sharing of the changes took place in their lives. On 26-28 March during another workshop with CSOs on Organizational Development, Mr. Girija Satish was of the view that any Government or organization can't work single handedly because of innumerable problems in our vast country, so NBJK promotes thoughtful CSOs. He said about rectifications in FCRA and appealed the organizations to oppose liquor-drugs, superstition, casteism, communalism for making of an inclusive society with scientific approach. Altogether about 180 women-men farmers, entrepreneurs and social activists from 11 districts of Jharkhand-Bihar have participated in these events.

नागर समाज संगठनों और उनके लाभुकों हेतु प्रोत्साहक गतिविधियां

15–28 मार्च 2022, हजारीबागः बीएफडब्लू के सहयोग से एनबीजेके संचालित सामाजिक कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्धि … कार्यक्रम अंतर्गत नागर समाज संगठनों एवं उनके लाभुकों के प्रोत्साहन हेतु प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया. 15–16 मार्च को एफसीआरए प्रमाणपत्र धारक सहयोगी संस्थाओं के मुख्य कार्यकारियों और एकाउंटेंट्स के लिए लगे एकाउंटेंसी पर प्रशिक्षण शिविर में सीपीए सर्विसेज प्रा० लि० की ओर से आये संसाधन टीम के श्री पूरन झा और श्रीमती सुजाता सामल ने प्रतिभागियों को वित्तीय प्रबंधन–अभिशासन–पुनरीक्षण–अनुपालन आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया. 21–23 मार्च की अवधि में किसानों के साथ आयोजित कृषि कार्य अनुभव कार्यशाला में श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके) ने उनसे अपील किया कि कृषि को भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह देखें और उसे लाभदायक बनाने हेतु सहायक गतिविधियों पर ध्यान दें. 23–25 मार्च के दरमियान उद्यमिता साझेदारी कार्यशाला का आयोजन हुआ और एनबीजेके अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना सामाजिक–आर्थिक विकास की कल्पना अव्यावहारिक होगी. उन्होंने प्रतिभागियों से विभिन्न आयसृजक उद्यमों के जरिये उनके जीवन में आये बदलाव संबंधी अनुभवों को बांटने का आग्रह किया. 26–28 मार्च के दौरान नागर समाज संगठनों–स्वयंसेवी संस्थाओं के विकास पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित हुई. श्री गिरिजा सतीश का मानना था कि कोई भी सरकार अथवा संस्था अकेले काम नहीं कर सकती क्योंकि हमारे विशाल देश में अनगिनत समस्याएं हैं, इसलिए एनबीजेके विचारवान और अच्छी संस्थाओं को प्रोत्साहित करता है. उन्होंने वर्तमान एफसीआरए कानून में सुधार की हिमायत किया और प्रतिभागी संस्थाओं से अनुरोध किया कि शराब–ड्रग्स, अंधविश्वास, जातिवाद, संप्रदायवाद आदि का विरोध करते हुए वैज्ञानिक चेतना से लैस एक समावेशी समाज निर्माण में योगदान दें. इन आयोजनों में झारखंड–बिहार के 11 जिलों से कुल 180 महिला–पुरुष किसानों, उद्यमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही.

CASE STORY

Mrs. Munki Devi lives at a small village about 15 km away from Gaya where most of the people are engaged with agriculture and daily labour work. For general health issues, villagers rely upon RMP doctors those come to villages occasionally and charge some amount. There is no eye care facility in any village of this region. For eye problem we need to go to Gaya from our village. We don't have much money for auto fare and to get treatment or spectacles, Munki Devi says. Her house is semi-constructed with bricks and concrete. She stays with her two sons those work at brick kiln. Munki's daughter-in-law takes care of her. Munki Devi was suffering from complete blurred vision. She was having pain and burning in her eye. This problem persisted for last 2-3 years. She stopped going outside because of trouble to recognize people. Regarding eye screening camp, she came to know from another person in village. She was screened, counseled and therefore decided to go to LNJP Eye Hospital, Kajha for advance checkup and cataract surgery. After surgery, Munki can see clearly and recognizes kith and kin. Also she resumed rice cleaning and spots small objects even. These were not possible earlier. "I did not know anything about this hospital. I went there, got food and all facilities. Currently I can do everything as per my wish. For my second eye checkup, I will go there again. Just inform about my next visit" Munki Devi explains her experience.

केस स्टोरी

श्रीमती मुनकी देवी गया शहर से लगभग 15 किमी दूर एक छोटे से गाँव में रहती हैं, जहाँ अधिकांश लोग कृषि और दैनिक मजदूरी पर निर्भर हैं. साधारण स्वास्थ्य समस्याओं हेतु ग्रामवासी देहाती चिकित्सकों के भरोसे हैं, जो कभी–कभार गाँवों में आकर इलाज के एवज में कुछ रुपये लेते हैं. इस क्षेत्र के किसी भी गाँव में नेत्र आरोग्य संबंधी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है. "आँख में दिक्कत होने पर हमको अपने गाँव से गया जाना पड़ता है. हमारे पास टेम्पू भारा देने, इलाज करवाने या चसमा लेने के लिए उतना पैसा नहीं रहता है", मुनकी देवी कहती हैं.

इनके पास ईंट और कंक्रीट से बना हुआ आधा–अधूरा घर है, जिसमें ये अपने दो बेटों के साथ रहती हैं. लड़के ईंट भट्ठा पर मजदूर हैं और एक बहू इनकी देखभाल करती है.

मुनकी देवी की नज़र पूरे तौर पर धुंधली हो चुकी थी. उनकी आँखों में दर्द और जलन भी रहता था. पिछले दो–तीन वर्षों से ऐसी समस्या वह झेल रही थीं. लोगों को पहचान नहीं सकने के कारण उन्होंने घर से बाहर निकलना छोड़ दिया था. नेत्र जाँच शिविर के विषय में उन्हें अपने गाँव के एक व्यक्ति से जानकारी मिली. वहाँ उनकी आँखों की जाँच हुई, परामर्श मिला और उन्होंने आगे की जाँच व मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु एलएनजेपी आँख अस्पताल जाने का निर्णय लिया.

सर्जरी के बाद मुनकी अब साफ–साफ देख सकती हैं और अपने परिचित–संबंधियों को पहचान लेती हैं. उन्होंने फिर से चावल बीनना भी शुरू कर दिया है और छोटी वस्तुओं को पहचान लेती हैं. पहले यह सब संभव नहीं था.

"हम इस अस्पताल के बारे में कुछो नहीं जानते थे. हम वहां गये, खाना–पीना, दवाइ और सब सुभीता मिला. अब हम अपना मरजी से सब काम कर सकते हैं. अपना दूसरा आँख देखवाने हम उस जगह पर फिर जाएंगे, खाली बता दीजियेगा कि कहिया आना है" मुनकी देवी अपना अनुभव बतलाती हैं.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित
दूरभाषः +91 9431140385, +91 9835751159
ई मेलः nbjkco@gmail.com; vinay.bhatta@nbjk.org
केवल निजी वितरण हेतु **For private circulation only**